शुतुरमुर्ग की तरह सच्चाई से मुंह मोड़ लेती है कांग्रेस

सेवा पखवाड़ा पर आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएम ने कांग्रेस को घेरा

17 से 2 अक्टूबर तक मनेगा सेवा पखवाड़ा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 5 सितंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर जमकर हमला किया है. उन्होंने विपक्ष की तुलना रावण से की है, वहीं कांग्रेस को शुतुरमुर्ग तक करार दिया है.

शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश स्तरीय कार्याशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे संविधान की किताब दिखाकर साधु का वेश धरते हैं, वहीं सबसे ज्यादा संविधान संशोधन और न्यायपालिका का अपमान करने के लिए जिम्मेदार हैं. कांग्रेस शुतुरमुर्ग की तरह आरोप लगाकर सच्चाई से मुंह मोड़ लेती है. कांग्रेस का चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर सवाल उठाना भी दुर्भाग्यपूर्ण है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा की विचारधारा राष्ट्रहित, सांस्कृतिक गौरव और जनसेवा पर आधारित है, यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है. हमारे कार्यकर्ता तपोनिष्ठ हैं और वे कच्ची मिट्टी के नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प से बने हैं. मप्र को भाजपा की नर्सरी कहते हैं, और यहीं से जीत का रथ आगे बढ़ता रहेगा. हम चुनौतियों से नहीं डरते, क्योंकि हमारी विचारधारा, ओतप्रोत हमारे कार्यकर्ता और राष्ट्र के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता ही हमारी शक्ति है. हमारे कार्यकर्ता राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हैं और बूथ से लेकर राष्ट्र तक समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं जबकि कांग्रेस व विपक्षी दल देश में भ्रम और दुष्प्रचार फैलाने में जुटे है.

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में जनसेवा का संकल्प लिया है. यह पखवाड़ा उस नेतृत्व को समर्पित है, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और नेतृत्व ने भारत को एक नई दिशा दी है. हमें अपने-अपने जिलों, मंडलों और बूथ स्तर पर जनता के बीच जाकर यह संदेश पहुचाना है कि यह पखवाड़ा केवल पार्टी ही नहीं, बल्कि जनसेवा का जनांदोलन है. हमें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर घर-घर जाना है, और मोदी सरकार की साफ नीयत और नीति को बताना है. यह सेवा पखवाड़ा अपनी व्यापकता, गहराई और उद्देश्य की दृष्टि से अद्वितीय और ऐतिहासिक होगा.

महिला न्यायाधीश को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

रीवा, 05 सितंबर. मध्यप्रदेश के रीवा जिले की महिला न्यायाधीश मोहनी भदोरिया को पत्र भेजकर उनसे रंगदारी मांगने के आरोप में रीवा पुलिस ने उत्तरप्रदेश के प्रयागराज से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार महिला न्यायाधीश से पांच सौ करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले देवराज पटेल (74) को रीवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. मंगलवार को त्योंथर तहसील की महिला जज मोहनी भदोरिया को एक धमकी भरा पत्र स्पीड पोस्ट से मिला था. बुधवार को उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को देकर सुरक्षा बढाये जाने की मांग की थी. बताया गया कि कल मुखबिर की सूचना पर सिरफिरे वृद्ध को गिरफ्तार कर लिया गया. जज को धमकी भरा पत्र लिखे जाने के कारणों का पुलिस पता लगा रही है.

एक नजर में

बैतूल, शाहपुर में आबकारी विभाग ने जब्त की शराब

बैतूल. मध्यप्रदेश में बैतूल और शाहपुर क्षेत्र में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कुल 1 लाख 20 हजार रुपए मूल्य की शराब जब्त गई और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. आबकारी विभाग के अनुसार, पहली कार्रवाई शाहपुर के ग्राम गेडीढाना में की गई. यहां आरोपी अखिलेश धुर्वे के मकान से 8 कार्टून देशी और विदेशी मदिरा जब्त की गई. जब्त शराब की कुल मात्रा 70.62 बल्क लीटर है, जिसकी कीमत लगभग 38 हजार रुपए आंकी गई है. आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है. वही दूसरी कार्रवाई बैतूल में सोनघाटी शिव मंदिर के पास की गई.

धार्मिक उन्माद फैलाने वालों पर मामला दर्ज

सागर. कोतवाली थाना अंतर्गत बगैर अनुमति के वाहन रैली निकालकर धार्मिक उन्माद और लोगों में वैमनस्यता फैलाने वाले तीन नामजद और अन्य अज्ञात युवकों पर पुलिस ने मामला दर्ज कर किया है.कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल से प्राप्त जानकारी के अनुसार ईद मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर वाहन रैली निकाली गई थी. जो राहतगढ़ बस स्टैंड से वाहन रैली शुरु होकर शहर के बड़ा बाजार कोरिडोर तालाब बस स्टैंड से परकोटा तीन बत्ती होते हुए कटरा मस्जिद के पास समापन हुआ था. इसी दौरान कोतवाली थाना क्षेत्र के तीनबत्ती पर मुस्लिम समाज के युवाओं द्वारा नारेबाजी की गई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ.

पोस्टर लगाकर पत्नी को खोज रहा रामकुमार

- छह दिन पहले घर से गई तो अब तक वापस नहीं लौटी
- खुद दुकान जाकर सीसीटीवी फुटेज देख रहा पति

ग्वालियर,05 सितम्बर. ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट से रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर के ड्राइवर रामकुमार शर्मा की पत्नी पद्मा शर्मा छह दिन से लापता हैं. पद्मा इस दिन सुबह घर से निकली थीं और फिर वापस नहीं लौटीं. पुलिस के रवैये से नाराज पति ने अपने स्तर पर पत्नी की तलाश शुरू कर दी है.

वे अपने बच्चों के साथ संभावित स्थानों के सीसीटीवी फुटेज देख रहे हैं और बाजारों में लापता के पोस्टर लगा रहे हैं. इससे पहले पति रामकुमार शर्मा ने यूनिवर्सिटी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई. उन्होंने पुलिस पर पत्नी की तलाश में सक्रिय न होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगाई है. करीब 44 साल की नौकरी के बाद रामकुमार शर्मा पिछले साल 31 जनवरी को रिटायर हो गए थे. रामकुमार शर्मा गोविंदपुरी में रहते हैं और दिनभर पैदल चलकर लोगों से पत्नी के बारे में पूछताछ कर रहे हैं. पद्मा शर्मा मानसिक रूप से बीमार चल रही थीं. सीएसपी रॉबिन जैन का कहना है कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज और परिवार की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर पद्मा शर्मा की तलाश कर रही है.

पहले भी घर से गई थी लेकिन 2-3 घंटे में लौटी

रामकुमार शर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी इससे पहले भी एक बार कहीं चली गई थीं, हालांकि दो-तीन घंटे में वापस आ गईं. इस बार 31 अगस्त को गई तो अब तक नहीं लौटीं. उनके पास फोन भी नहीं है और घर से जाने से पहले किसी से कोई बात भी नहीं हुई है. उन्होंने शहर खंगालने के साथ रिश्तेदारों से भी पता कर लिया है लेकिन वह रिश्तेदारों के यहां भी नहीं पहुंची. उन्होंने बताया कि परिवार में उनके अलावा बेटा हिमांशु शर्मा है. इसके अलावा परिवार में कोई नहीं है. पद्मा को तलाश करने में मुंहबोली बेटी दीपा गुप्ता और उसका बेटा युवराज भी उनकी मदद कर रहे हैं.

ओबीसी आरक्षण पर भाजपा को पटवारी ने घेरा

विशेष संवाददाता

भोपाल,05 सितम्बर. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर भाजपा सरकार पर ओबीसी आरक्षण मुद्दे को लेकर दोहरा रवैया अपनाने और छात्रों को लगातार गुमराह करने का आरोप लगाया है.

पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जनता के सामने वादे करते हैं, लेकिन उनकी सरकार के कदम बिल्कुल विपरीत दिशा में होते हैं, जिससे ओबीसी छात्र लगातार ठगे जा रहे हैं. पटवारी ने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि 28 अगस्त को हुई सर्वदलीय बैठक में उन्होंने स्वयं 13 प्रतिशत रोके गए आरक्षित पदों को बहाल करने का आश्वासन दिया था. उस बैठक में कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने इस फैसले का समर्थन किया था और तत्काल नियुक्तियां देने की मांग की थी. मुख्यमंत्री ने तब वादा किया था कि दिल्ली में एडवोकेट जनरल से चर्चा कर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा. लेकिन पटवारी ने आरोप लगाया कि दिल्ली की बैठक में बिल्कुल उल्टा नतीजा सामने आया.

मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण पर कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना

मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण बहाल करने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की मंशा पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता कमलनाथ ने एक बार फिर सवाल उठाए हैं. कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान वर्ष 2019 में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसे बाद में भाजपा सरकार ने समाप्त कर दिया. उन्होंने आरोप लगाया कि बीते छह वर्षों से भाजपा ओबीसी आरक्षण को लेकर दोहरी नीति अपना रही है. सार्वजनिक मंचों पर 27 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करने के बावजूद अदालत और नीति निर्माण में भाजपा सरकार इसका विरोध करती रही है. कमलनाथ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अंतिम सुनवाई शुरू होने वाली है, इससे पहले सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता जताई थी, जिसका कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने समर्थन किया था.

होप टेक्सटाइल मिल प्रकरण में सरकार की बड़ी जीत

उच्च न्यायालय ने मिल प्रबंधन की याचिका खारिज की

इंदौर,05 सितम्बर. होप टेक्सटाइल मिल मामले में गुरुवार को सरकार को बड़ी राहत मिली. उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर ने मिल प्रबंधन द्वारा दायर की गई याचिका को खारिज करते हुए साफ किया कि उपलब्ध वैधानिक उपायों को दरकिनार कर सीधे अदालत का रुख करना विधिसम्मत नहीं है.

इस फैसले से कलेक्टर इंदौर का आदेश पूरी तरह प्रभावी रहेगा. मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की पीठ में हुई.

सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आनंद सोनी ने विस्तृत तर्क प्रस्तुत किए. उन्होंने न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता के पास वैधानिक रूप से वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं, ऐसे में सीधे उच्च न्यायालय में याचिका दायर करना उचित नहीं है. न्यायालय ने सोनी के तर्कों से सहमति जताते हुए स्पष्ट किया कि यह याचिका प्रचलन योग्य नहीं है. परिणामस्वरूप अदालत ने मिल प्रबंधन की याचिका निरस्त कर दी. इस आदेश से सरकार को महत्वपूर्ण राहत मिली है और कलेक्टर इंदौर द्वारा पारित आदेश अब पूरी तरह लागू रहेगा.

नवजातों की मौत पर कांग्रेस का हमला

विशेष संवाददाता

भोपाल,05 सितम्बर . इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से हुई मौत ने प्रदेशभर को हिला दिया है.

कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार की घोर लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था का नतीजा बताया है. कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि अपराध है. उन्होंने याद दिलाया कि अस्पताल में पहले भी कई बार चूहों और संक्रमण से जुड़ी घटनाएँ हुईं. 2015 में शवगृह में नवजात का सिर चूहों ने कुतरा, 2021 में नवजात के पैर काटे गए और 2023 में पेस्ट कंट्रोल का ठेका निजी कंपनी को दिया गया, पर काम अधूरा छोड़कर अब 11 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है.

राहुल ने घटना को सीधी हत्या बताया

नायक का आरोप है कि प्रशासन ने मौत की असली वजह छिपाई और बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के ही हृदय रोग बताकर मामला दबाने की कोशिश की. जांच कमेटी के सामने भी अस्पताल में चूहे और कॉकरोच खुलेआम मिले. राहुल गांधी ने घटना को सीधी हत्या बताया और कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जानबूझकर निजी हाथों में सौंप दिया है, जिससे सरकारी अस्पताल गरीबों के लिए मौत के अड्डे बन गए हैं. इसी बीच, सिंगरौली की एक बैगा महिला को जननी एक्सप्रेस या एंबुलेंस न मिलने पर बारिश में सड़क पर प्रसव करना पड़ा, जिससे जच्चा-बच्चा की हालत बिगड़ गई. कांग्रेस ने इसे भाजपा राज की असलियत बताया.

मध्यप्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी

भोपाल, 05 सितम्बर. मध्यप्रदेश में मानसून की सक्रियता बनी हुई है. मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश और संलग्न पूर्वी राजस्थान पर एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र सक्रिय है, जिसके कारण राज्य के अधिकांश हिस्सों में वर्षा का सिलसिला जारी है.

इस सिस्टम से जुड़ा चक्रवातीय परिसंचरण माध्य समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक प्रभावी है. इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए 7 सितम्बर की सुबह तक दक्षिणी राजस्थान और संलग्न उत्तरी गुजरात पर अवदाब में बदलने की संभावना जताई गई है. वर्तमान में मानसून ट्रफ जेसलमेर से होते हुए उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश, पूर्वी राजस्थान, सीधी, डाल्टनगंज, दीघा और आगे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी तक फैला है. वहीं, एक अन्य ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण उत्तर-पूर्वी अरब सागर और गुजरात तट के ऊपर 5.8 से 7.6 किमी की ऊंचाई के बीच सक्रिय है.

कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

इन मौसमी परिस्थितियों के असर से राज्य में अगले 24 घंटे के दौरान कई जिलों में भारी बारिश के आसार बने हुए हैं. झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, नीमच, इंदौर, धार, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, श्योपुरकला, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, होशंगाबाद, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना समेत मध्य और पश्चिमी जिलों में व्यापक वर्षा की संभावना है. पूर्वी मध्यप्रदेश में भी सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में कहीं-कहीं तेज़ वर्षा और गरज-चमक की गतिविधियां दर्ज की जा सकती हैं.

कार्य के चलते भोपाल मंडल होकर जाने वाली ट्रेनें प्रभावित

भोपाल, 05 सितम्बर. कोटा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 2 पर पुनर्विकास कार्य किए जाने के कारण भोपाल मंडल होकर जाने वाली कई ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव किए गए हैं. यह परिवर्तन 10 सितम्बर से 04 अक्तूबर 2025 तक 25 दिनों की अवधि में लागू रहेंगे.

शॉर्ट टर्मिनेशन

गाड़ी संख्या 11604 बीना-कोटा एक्सप्रेस, 19812 इटावा-कोटा एक्सप्रेस, 22984 इंदौर-कोटा एक्सप्रेस और 61634 बीना-कोटा मेमू अब कोटा के बजाय सोगरिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होंगी. इन ट्रेनों की सोगरिया से कोटा के बीच की यात्रा आंशिक रूप से निरस्त रहेगी.

मार्ग परिवर्तन

इसके अलावा 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस और 12181 जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस सोगरिया-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला मार्ग से संचालित होंगी. वहीं, 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस और 12182 अजमेर-जबलपुर एक्सप्रेस गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से चलाई जाएंगी. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय इन बदलावों को ध्यान में रखें.

सभी ग्राम पंचायत में श्मशान घाट होंगे विकसित

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जारी किये निर्देश

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 5 सितंबर. वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5वें राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत अधोसंरचना विकास अनुदान मद की राशि से प्रदेश में सुव्यवस्थित श्मशान घाटों का विकास किया जायेगा.

श्मशान घाटों के विकास कार्यों के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं. सभी जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये हैं. पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन आमजन के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं प्रत्येक आश्रित ग्राम में वित्तीय वर्ष 2025-26 तक न्यूनतम एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सहज तथा बारहमासी निर्बाध पहुँच वाले श्मशान घाट की उपलब्धता के लिये प्रतिबद्ध है. ग्रामों में श्मशान घाटों के विकास के लिये त्रिस्तरीय पंचायत राज प्रशासन से न्यूनतम आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गई है.

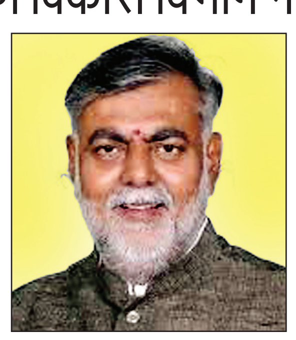

इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक ग्राम में श्मशान मद के लिये आवश्यक भूमि आरक्षित हो. आरक्षित भूमि की संपूर्ण रूप से फेंसिंग की गई हो. स्थल पर पहुंचने के लिये साल के बारहों महीने निर्बाध एवं सहज पहुंच मार्ग उपलब्ध हो. श्मशान मद में आरक्षित भूमि अतिक्रमण से मुक्त हो.

> प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रत्येक ग्राम में, जिसमें श्मशान के लिये भूमि उपलब्ध नहीं है, आवश्यक उपयुक्त भूमि आरक्षित कराने के लिये मप्र भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत संबंधित जिला कलेक्टर को आवेदन कर भूमि आरक्षित करानी होगी. जहां पहले से श्मशान घाट है और आरक्षित भूमि की यदि समुचित फेंसिंग नहीं है, तो उस भूमि की फेंसिंग प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा तैयार किये गये मानकों के आधार पर कराई जाये. श्मशान घाट तक निरापद रूप से पहुंचने के लिये समुचित मार्ग उपलब्ध नहीं हो अथवा मार्गों में पुलिया/रपटा नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में आवागमन दुष्कर होता है.

कड़ी प्रतिक्रिया | उमंग के आदिवासी हिंदू नहीं वक्तव्य पर आदिवासी सांसदों का पलटवार

आदिवासी हिंदू नहीं वक्तव्य पर माफी मांगे सिंघार

बड़वानी 05 सितंबर. मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आदिवासी हिंदू नहीं वक्तव्य पर पश्चिम निमाड़ क्षेत्र के आदिवासी सांसदों ने पलटवार करते हुए उनसे माफी मांगने को कहा है.

क्षेत्र के राज्यसभा सांसद प्रदेश भाजपा प्रवक्ता और राष्ट्रीय नीति एवं शोध प्रभारी (एसटी) मोर्चा डॉ सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि आदिवासी हिंदू धर्म का अभिन्न अंग और सनातन संस्कृति को मानने वाले हैं. उन्होंने कहा कि वह प्रकृति पूजक और सनातन संस्कृति का वाहक हैं. डॉ सोलंकी ने कहा कि आदिवासी समाज पगड़ी बांधता है, हनुमान ,भीलट देव ,पीपल, तुलसी, जल अग्नि ,वायु की पूजा करता है , और यही हिंदुत्व है. उसकी संस्कृति और परंपरा हिंदुत्व के समान है.

उन्होंने कहा कि सिंघार को धर्म की व्याख्या करने का अधिकार किसने दिया. उनके वक्तव्य निंदनीय है और उन्हें पूरे देश के आदिवासी समाज से माफी मांगनी चाहिए.

खरगोन बड़वानी लोकसभा क्षेत्र से सांसद और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र सिंह पटेल ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस हिंदू धर्म में फूट डालने का प्रयास कर रही है. पटेल ने कहा कि भारत के संविधान में आदिवासी समाज को हिन्दू समाज का अभिन्न अंग माना गया तथा 1951 की जनगणना में भी इसी परिधि में हमारे आदिवासी समुदाय को गिना गया है.

> उन्होंने कहा कि आदिवासी प्रकृति के पूजक है और हिन्दू समाज के सभी त्यौहार जिसमे दीपावली, होली, दशहरा, रक्षाबंधन आदि सभी प्रकार के त्यौहार मनाते है. उन्होंने कहा कि सिंघार जिस तरह से आदिवासी समाज को बरगलाने एवं बहकाने का काम कर रहे है, आदिवासी समाज इसको जान चुका है कि कांग्रेस पार्टी वोट बैंक की राजनीति करती है.

सैकड़ों मवेशियों के कारण 2 घंटे जाम रहा हाइवे

हरिचरण सोनी

राघौगढ़, 5 सितंबर. राजनैतिक हो अथवा या फिर सरकार में बड़े पदों पर कैसे मंत्री ही क्यों न हो यह सब हाइवे पर मवेशियों को बवते-बनाते गुजरते है. लेकिन हाइवे से लेकर सड़कों पर दर दर भटकते और घरना जैसे हालतों में बैठे सैकडों मवेशियों की दुर्दशा पर ध्यान दिया जाता तो हाइवे हादसों में नहीं बदलता.

शुक्रवार को बीनागंज के समीष भारी वाहन द्वारा गायों को रौंदने के बाद ग्रामीणों का आकोश हाइवे तक पहुंच गया और लगभग 2 घंटों तक सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे. एक माह पूर्व राधौगढ़ के समीप साबरमती एक्सपेश का बढ़ा हादसा टल गया और हाइवे पर पटना-दुर्घटनाओं के बलते प्रतीचन से लेकर सरकार की चौखट पर सवाल उठ रहे है कि आखिर मवेशियों नो हाइवे कब मुक्त होगा. हाइवे पर मटकती मवेशियों से ना केवल दुर्घटनाएं से रही है बल्कि तोके अधिकांश भाग में दुघर्टनाओं का खतरा मंडराता मजर जा रहा है फिर भी मवेशियों की समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस वा सामने नहीं आयेंगे. आखिर सड़कों पर गोवंश की ऐसी दुर्दशा कब तक होती रहेगी मवेशियों से जुडेंसर भीर सवाल हाइवे पर सैकडों किलोमीटर सामने आ रहें हैं धरने की तरह बेटी सैकडों मवेशिया धदवे की रफ्तार पर भारी पड़ रही है बल्कि सइये से गुजरने वाले राजनैतिक, सरकार के मंत्री और अफसर भवेशियों की दुर्दशा देखकर मुजर रहे है लेकिन सहने की परफ ध्यान दिया जाता तो शायद हाइवे पर दुफनाओं का तांब नहीं बनता ? ऐसे कई सवाल इसलिए रहे है कि मटकते गौतंय को उनके हकों की चरनंच की जमीन मिलना तो दूर की बात रहीं उन्हें गौशालायें तक नसीब नहीं ही पाचहीं.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14